सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

संस्कृत विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए स्नातक (बी0ए0) संस्कृत पाठ्यक्रम के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र (11 जुलाई 2023 को पाठ्यक्रम समिति द्वारा संशोधित)

स्नातक (मुख्य) पाठ्यक्रम

(उ0प्र0 सरकार, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सी0बी0सी0एस0 के अनुकूल)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	प्रश्नपत्र का स्वरूप	सिद्धान्त/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट
प्रथम	I	A020101T	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
	II	A020201T	संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
द्वितीय	III	A020301T	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
	IV	A020401T	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
तृतीय	V	A020501T	वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
	V	A020502T	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
	VI	A020601T	आधुनिक संस्कृत साहित्य	अनिवार्य	सिद्धान्त	6
	VI	A020602T	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	वैकल्पिक	सिद्धान्त	6
	VI	A020603T	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	वैकल्पिक	सिद्धान्त	6
	VI	A020604T	भारतीय वास्तुशास्त्र	वैकल्पिक	सिद्धान्त	6
	VI	A020605T	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	वैकल्पिक	सिद्धान्त	6
	VI	A020606T	नित्य–नैमित्तिक अनुष्ठान	वैकल्पिक	सिद्धान्त	6

माइनर पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	प्रश्नपत्र का स्वरूप	सिद्धान्त/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट
प्रथम	I	A020102T(M)	वैदिक साहित्य, व्याकरण एवं सुभाषित	चयनित	सिद्धान्त	4
	II					
द्वितीय	III	A020302T(M)	संस्कृत साहित्य, दर्शन, सन्धि एवं अलंकार	चयनित	सिद्धान्त	4

नई शिक्षा नीति 2020

उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय– (स्नातक स्तर–मुख्य पाठ्यक्रम)

बी.ए.प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर– संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण — कोड– A020101T

द्वितीय सेमेस्टर– संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग — कोड– A020201T

बी.ए.द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर– संस्कृत नाटक एवं व्याकरण — कोड– A020301T

चतुर्थ सेमेस्टर– काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल — कोड– A020401T

बी.ए.तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर–प्रथम प्रश्नपत्र– वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन — कोड– A020501T

द्वितीय प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं भाषाविज्ञान — कोड– A020502T

षष्ठ सेमेस्टर– प्रथम प्रश्नपत्र– आधुनिक संस्कृत साहित्य — कोड– A020601T

द्वितीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा — कोड– A020602T

अथवा

तृतीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान — कोड– A020603T

अथवा

चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– भारतीय वास्तुशास्त्र — कोड– A020604T

अथवा

पंचम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त — कोड– A020605T

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– नित्य–नैमित्तिक अनुष्ठान — कोड– A020606T

नोट– उपर्युक्त वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से कोई एक लेना अनिवार्य है।

विषय– संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्य नैमित्तिक कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वाङ्गीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme/Class:**Certificate** कार्यक्रम / वर्ग– सर्टिफिकेट	Year: First वर्ष– प्रथम	Semester: I सेमेस्टर– प्रथम

विषय– संस्कृत

प्रश्नपत्र कोड- **A020101T**	प्रश्नपत्र शीर्षक– संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगे।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध एवं सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझकर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	(क) संस्कृत वाङ्मय में पारम्परिक ज्ञान विज्ञान एवं राष्ट्रगौरव– वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष् तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय (ख) संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय एवं पद्य काव्य की परम्परा प्रमुख आचार्य– महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ, श्रीहर्ष एवं जयदेव	4 8

II	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
III	कुमारसंभवम्– प्रथम सर्ग (श्लोक सं0 1 से 30) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
IV	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	12
VI	अच् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्रनिर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धिविग्रह)	12
VII	हल् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्रनिर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धिविग्रह)	11
VIII	विसर्ग सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्रनिर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धिविग्रह)	10

संस्तुत ग्रन्थः–

• किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) , डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
• किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दनशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
• किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु0 श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
• कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर
• कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
• नीतिशतकम् , भर्तृहरि, (व्या0) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
• नीतिशतकम् , भर्तृहरि, (व्या0) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003
• नीतिशतकम् , समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा सन्धि प्रकरण) , डॉ. वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाईन्मेन्ट) 10 अंक अथवा संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा अथवा माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य एवं मौखिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

Programme/Class:Certificate कार्यक्रम / वर्ग– सर्टिफिकेट	Year: First वर्ष– प्रथम	Semester: II सेमेस्टर–द्वितीय

विषय– संस्कृत

प्रश्नपत्र कोड- A020201T	प्रश्नपत्र शीर्षक– **संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रशक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य के धारा प्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर , अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- E- Content एवं डिजिटल लाईब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत भाषा एवं साहित्य के नित नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्वज्ञान कोश में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
- संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान प्रदान करने में कुशल बनेंगे।
- पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नये मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग **(PART-1)**	
I	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास प्रमुख साहित्यकार–बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, शूद्रक, अम्बिकादत्तव्यास, पण्डिता क्षमाराव	11
II	शुकनासोपदेश (लक्ष्मीचरित्रवर्णनपर्यन्त) (व्याख्या)	12

III	शिवराजविजयम्– प्रथम निश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग **(PART-2)**	
V	अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत में (नियमनिर्देशपूर्वक)	12
VI	अनुवाद– संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में	11
VII	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर में संस्कृत– हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स– यूनिकोड, गूगल ईनपुट टूल, गूगल असिस्टेन्ट एवं वॉइस टाईपिंग आदि	12
VIII	इन्टरनेट का प्रयोग एवं वेबसर्च–ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैगजीन, डिजिटल लाईब्रेरी ऑनलाईन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म– जूम	10

संस्तुत ग्रन्थ–

• शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, (संपा.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन,आगरा,प्रथम संस्करण, 1986–87
• शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार, मेरठ
• शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
• शुकनासोपदेश (कादम्बरी) , डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
• शिवराजविजयम् ,अम्बिकादत्तव्यास संपा0 शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
• शिवराजविजयम् , डॉ. रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
• शिवराजविजयम् , डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन
• शिवराजविजयम् , डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
• संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
• संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली,2007

• अनुवाद चन्द्रिका, डॉ.यदुनन्दन मिश्र, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी • अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999 • संस्कृत रचना, वी0एस0आप्टे, (अनु0) उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008 • रचनानुवादकौमुदी, पं0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011 • कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इन्दौर • कम्प्यूटर फन्डामेंटल, पी0के0 सिन्हा, बी0पी0बी0 पब्लिकेशन, नई दिल्ली • इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोड़ा, धनपतराय पब्लिकेशन, नई दिल्ली
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) पाठ्क्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाईन्मेन्ट) एवं मौखिकी 10 अंक (ख) संगणक (लिखित एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

Programme/Class:**Deploma** कार्यक्रम / वर्ग– डिप्लोमा	Year: **Second** वर्ष– द्वितीय	Semester**: III** सेमेस्टर–तृतीय

विषय– संस्कृत

प्रश्नपत्र कोड- A020301T	प्रश्नपत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्वबोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरणपरक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार– भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखदत्त	12
II	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 2 अंक)	11
III	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (केवल अंक 4)	11

IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	रूप सिद्धि–सामान्य परिचय अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) पुल्लिंग– राम, सर्व, हरि, सखि सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	12
VI	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) स्त्रीलिंग– रमा, मति नपुंसकलिंग– ज्ञान, वारि (सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि)	11
VII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) पुल्लिंग– इदम् , राजन् , तद् , अस्मद् , युष्मद् (केवल रूप स्मरण)	11
VIII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) स्त्रीलिंग– किम् , अप् , इदम् नपुंसकलिंग– इदम् , अहन् (केवल रूप स्मरण)	11

संस्तुत ग्रन्थ–

• अभिज्ञानशाकुन्तलम् , डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
• अभिज्ञानशाकुन्तलम् , डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
• अभिज्ञानशाकुन्तलम् , डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
• अभिज्ञानशाकुन्तलम् , डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
• स्वप्नवासवदत्तम् , श्री तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद
• स्वप्नवासवदत्तम् , जयकृष्ण दास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
• संस्कृत नाटक : उद्भव और विकास, डॉ. ए0बी0 कीथ, अनु0 उदयभानु सिंह
• नाट्यसाहित्य का इतिहास और नाट्यसिद्धान्त, जयकुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ 2012

• संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियाँ, डॉ. गंगासागर राय
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन
• लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा 10 अंक

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक

(ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

<table>
<tr><td>Programme/Class:Deploma
कार्यक्रम / वर्ग– डिप्लोमा</td><td>Year: Second
वर्ष– द्वितीय</td><td>Semester: IV
सेमेस्टर–चतुर्थ</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय– संस्कृत</td></tr>
<tr><td>प्रश्नपत्र कोड- A020401T</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र शीर्षक– काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल</td></tr>
<tr><td colspan="3">Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–
• विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
• छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
• संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौन्दर्य का बोध कर सकेंगे।
• कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
• शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी।
• व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
• विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
• संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
• अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">Credits: 6</td><td>Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25+75</td><td>Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0</td></tr>
</table>

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा तथा प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं आचार्य – भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ	**12**

II	साहित्यदर्पण (1 – 2 परिच्छेद)	**11**
III	छन्द (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छन्द) अनुष्टुप् , आर्या, वशंस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित	**11**
IV	अलंकार (साहित्यदर्पण से अधोलिखित अलंकार) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान् , दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति	**11**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	निबन्ध	**12**
VI	पत्रव्यवहार	**11**
VII	समसामयिक विषयों पर समाचार लेखन	**11**
VIII	अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	**11**

संस्तुत ग्रन्थ–

• साहित्यदर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
• साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी
• साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र, लखनऊ
• वृत्तरत्नाकर, श्री केदारभट्ट, (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,2011
• छन्दोऽलंकारसौरभम् , डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
• छन्दोऽलंकारसौरभम् , प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन
• छन्दमंजरी विकास, हरिदत्त उपाध्याय
• काव्यदीपिका , कान्ति चंद्र भट्टाचार्य, साहित्य भण्डार, मेरठ
• काव्यदीपिका, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, मेरठ
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
• संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997

• हायर संस्कृत ग्रामर, एम0आर0 काले, (अनु0) कपिलदेव द्विवेदी, श्री रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001 • संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007 • अनुवाद चन्द्रिका, डॉ.यदुनन्दन मिश्र, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी • अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999 • संस्कृत रचना, वी0एस0आप्टे, (अनु0) उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008 • रचनानुवादकौमुदी, पं0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011 • संस्कृतनिबन्धशतकम् , पं0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2010 • संस्कृतनिबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी • संस्कृतनिबन्धसुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी 10 अंक अथवा प्रदत्त अपठित श्लोकों में छन्द एवं अलंकार निर्धारण विषयक प्रायोगिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

<table>
<tr><td>Programme/Class:Bachelor
कार्यक्रम/वर्ग– स्नातक डिग्री</td><td>Year: Third
वर्ष– तृतीय</td><td>Semester: V
सेमेस्टर– पंचम्</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय– संस्कृत</td></tr>
<tr><td>प्रश्नपत्र कोड- A020501T</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र शीर्षक– प्रथम प्रश्न पत्र– वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन</td></tr>
<tr><td colspan="3">Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–
• वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
• वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
• वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
• उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
• औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
• वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
• भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
• दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थबोध होगा।
• दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
• दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरण प्राप्त होगी।
• भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
• गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।</td></tr>
<tr><td>Credits: 6</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td>Max. Marks: 25+75</td><td colspan="2">Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0</td></tr>
</table>

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग)	10
II	ऋग्वेद संहिता– अग्निसूक्त (1.1), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक्सूक्त (10.125)	11
III	यजुर्वेद संहिता– शिवसंकल्प सूक्त अथर्ववेद संहिता– पृथ्वी सूक्त (12.1) (1 से 12 मंत्र), सांमनस्य सूक्त (3.30)	10
IV	ईशावास्योपनिषद् (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व नास्तिक दर्शन– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध आस्तिक दर्शन– न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदान्त परिचयात्मक प्रश्न	12
VI	श्रीमद्भगवद्गीता– द्वितीय अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	10
VII	तर्कसंग्रह (आरम्भ से प्रत्यक्ष खंड पर्यन्त)	14
VIII	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	13

संस्तुत ग्रन्थ–

- ईशावास्योपनिषद् , डॉ. शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद् , गीताप्रेस गोरखपुर, 1994
- ऋग्वेदसंहिता, रामगोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- ऋक्सूक्तसंग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- ऋक्सूक्तसौरभ, डॉ0 आर0 के0 लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- सूक्तसंकलन, प्रो0 विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन
- सूक्तसंकलन, डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्यभारती प्रकाशन, गोरखपुर
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो0 राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन
- श्रीमद्भगवद्गीता, (संपा0) गजानन शम्भू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 1985
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरिकृष्ण दास गोयनका, गीताप्रेस गोरखपुर 2009
- तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, (व्या0) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, (व्या0) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर 1958
- भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2004
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस0एन0 दासगुप्ता, (अनु0) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 1969–1989
- भारतीय दर्शन, एस0 राधाकृष्णन, (अनु0) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली 1989
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम0 हिरियन्ना, (अनु0) गोवर्धन भट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) वैदिक मंत्रों का सस्वर उच्चारण (भावार्थ सहित) 10 अंक अथवा अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

<table>
<tr><td>Programme/Class: Bachelor
कार्यक्रम/वर्ग– स्नातक डिग्री</td><td colspan="2">Year: Third
वर्ष– तृतीय</td><td>Semester: V
सेमेस्टर– पंचम्</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय– संस्कृत</td></tr>
<tr><td>प्रश्नपत्र कोड- A020502T</td><td colspan="3">प्रश्नपत्र शीर्षक– द्वितीय प्रश्न पत्र– व्याकरण एवं भाषाविज्ञान</td></tr>
<tr><td colspan="4">Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–
• भाषाविज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
• संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
• भाषा एवं भाषाविज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
• ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनिपरिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
• पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्दनिर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
• संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।</td></tr>
<tr><td colspan="2">Credits: 6</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25+75</td><td colspan="2">Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0</td></tr>
</table>

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	धातुरूप सिद्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी) भू , गम् , एध् (लट् लकार मात्र) (सूत्र व्याख्या एवं रूपसिद्धि)	14
II	कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) प्रकृति प्रत्यय निर्धारण एवं वाक्यप्रयोग कृत्य– तव्यत् , अनीयर् , यत् , ण्यत् कृत् – तुमुन् , क्त्वा , ल्यप् , क्त , क्तवतु , शतृ , शानच् , ण्वुल् , तृच् , णिनि	13

III	तद्धित प्रकरण– अपत्यार्थ (लघुसिद्धान्त कौमुदी) प्रकृति प्रत्यय निर्धारण एवं वाक्यप्रयोग	11
IV	विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्तिनिर्धारण	12
V	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर सामान्य परिचय)	9
VI	स्त्रीप्रत्यय (लघुसिद्धान्त कौमुदी)– टाप् एवं ङीप् प्रत्यय	9
VII	भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाविज्ञान के मुख्य अंग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली भाषा विभाषा)	11
VIII	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण	11

संस्तुत ग्रन्थ–

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1 से 6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रकाश शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी 10 अंक (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

Programme/Class:**Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग– स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष– तृतीय	Semester**: VI** सेमेस्टर– षष्ठ

विषय– संस्कृत

प्रश्नपत्र कोड- A020601T	प्रश्नपत्र शीर्षक– प्रथम प्रश्न पत्र– आधुनिक संस्कृत साहित्य

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

• आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।

• नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।

• आधुनिक संस्कृत साहित्य के बालसाहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत शिक्षण के सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।

• आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरण प्राप्त होगी।

• आधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो0 हरिदत्त शर्मा, प्रो0 हर्षदेव माधव, प्रो0 वनमाली विश्वाल, प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी	13
II	आधुनिक महाकाव्य जानकीजीवनम्– प्रथम सर्ग (1 से 25 श्लोक तक) प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र	13

III	आधुनिक काव्य तथास्तु (1 से 14 काव्यसरणिः तक) प्रो0 हर्षदेव माधव	10
IV	आधुनिक नाटक प्रेक्षण–सप्तकम् (एकांकी) (1 से 5 प्रेक्षण तक) प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी	10
V	संस्कृत उपन्यास पद्मिनी (प्रथमे प्रकाशे प्रथमो विकासः) मोहन लाल शर्मा पाण्डेय	11
VI	संस्कृत गीतिकाव्य तदेव गगनं सैव धरा (1 से 25 पद्य) आचार्य श्रीनिवास रथ	11
VII	संस्कृत कथा कथामुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः) पण्डिता क्षमाराव	11
VIII	संस्कृत सुभाषित दीपमालिका (प्रथम मालिका) पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	11

संस्तुत ग्रन्थ–

• कथामुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) P.J.Pandya for N.M.Tripathi Ltd, Princess Street,Bombay-2

• जानकीजीवनम्– प्रथम सर्ग, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, बैजयन्त प्रकाशन, 8 बाघम्बरी मार्ग, भारद्वाजपुरम् इलाहाबाद

• तथास्तु , प्रो0 हर्षदेव माधव, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

• प्रेक्षण–सप्तकम् (एकांकी) , प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, शक्तिनगर, नई दिल्ली

• तदेव गगनं सैव धरा , आचार्य श्रीनिवास रथ, नाग पब्लिशर्स, 1995

• दीपमालिका , पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी

• पद्मिनी , मोहन लाल शर्मा पाण्डेय, पाण्डे प्रकाशन, जयपुर • संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, सप्तम खण्ड– आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ , प्रथम संस्करण 2000 • आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची, (संपा0) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली • आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली • http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) आधुनिक संस्कृत पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी 10 अंक अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

<table>
<tr><td>Programme/Class:Bachelor
कार्यक्रम/वर्ग– स्नातक डिग्री</td><td>Year: Third
वर्ष– तृतीय</td><td>Semester: VI
सेमेस्टर– षष्ठ</td></tr>
<tr><td colspan="3">विषय– संस्कृत</td></tr>
<tr><td>प्रश्नपत्र कोड- A020602T</td><td colspan="2">प्रश्नपत्र शीर्षक– द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) – योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा</td></tr>
<tr><td colspan="3">Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–
• भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
• योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
• योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
• योग के आसनों के सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
• योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।</td></tr>
<tr><td>Credits: 6</td><td colspan="2">Core Compulsory</td></tr>
<tr><td>Max. Marks: 25+75</td><td colspan="2">Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0</td></tr>
</table>

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	योग की भारतीय अवधारणा उपयोगिता एवं महत्त्व प्रमुख आचार्य एवं ग्रन्थ	11
II	योगसूत्र– समाधिपाद (सूत्र 1 से 15 तक)	13
III	योगसूत्र– साधनापाद (सूत्र 29 से 40 तक)	13
IV	योगसूत्र– विभूतिपाद (सूत्र 1 से 10 तक)	11

V	घेरण्डसंहिता– प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 15 तक)	11
VI	घेरण्डसंहिता– प्रथमोपदेश (श्लोक 16 से 32 तक)	11
VII	घेरण्डसंहिता– द्वितीयोपदेश (आसनप्रकरणम्) सिद्धासन, पद्मासन, मुक्तासन, वज्रासन, सिंहासन	10
VIII	घेरण्डसंहिता– द्वितीयोपदेश (आसनप्रकरणम्) वीरासन, धनुरासन, मृतासन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंगासन	10

संस्तुत ग्रन्थ–

- पातंजलयोगदर्शनम् , पतंजलिकृत योगसूत्र, व्यासभाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षुकृत योगवार्तिक सहित, (संपा0) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी 1981
- योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम् , सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- घेरण्डसंहिता, घेरण्डमुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीताम्बरापीठ, दतिया, मध्यप्रदेश
- यज्ञचिकित्सा, ब्रह्मवर्चस शान्तिकुंज हरिद्वार
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी0डी0 मिश्र, रायल बुक कम्पनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी0डी0 मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्यकिरण चिकित्सा विज्ञान, अमरजीत, खण्डेलवाल प्रकाशन, जयपुर
- नेचरक्योर फिलासफी एण्ड मेथड्स, पी0डी0 मिश्र, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) योगासनों का प्रदर्शन अथवा अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी	10 अंक
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय)	10 अंक
(ग) आचरण एवं उपस्थिति	05 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

अथवा

Programme/Class:**Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष– तृतीय	Semester: **VI** सेमेस्टर– षष्ठ
विषय– संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020603T	प्रश्नपत्र शीर्षक– तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) – आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्‌भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानव स्वास्थ्य एवं रोगनिवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
- अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्‌भव एवं विकास प्रमुख आचार्य– चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, सारंगधर, भावमिश्र	12
II	आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धान्त, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व, अष्टांग आयुर्वेद	12

III	चरकसंहिता– सूत्रस्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92)	12
IV	चरकसंहिता– सूत्रस्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यन्त)	12
V	चरकसंहिता– सूत्रस्थान नवम् अध्याय	11
VI	चरकसंहिता– सूत्रस्थान दशम् अध्याय	11
VII	अष्टांगहृदयम्– वाग्भट सूत्रस्थानम्– प्रथम अध्याय (1 – 19)	10
VIII	अष्टांगहृदयम्– वाग्भट सूत्रस्थानम्– प्रथम अध्याय (20 – 44)	10

संस्तुत ग्रन्थ–

• चरक संहिता, (संपा0) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005

• अष्टांगहृदयम् , वाग्भट, (संपा0) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014

• आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तरप्रदेश शासन, लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976

• संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खण्ड), उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2006

• आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी

• आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखम्बा वाराणसी

• संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रकाशन संस्करण, 1956

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) अधिन्यास (असाइन्मेंट)/ पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी 10 अंक अथवा प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक) (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष– तृतीय	Semester**: VI** सेमेस्टर– षष्ठ
विषय– संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020604T	प्रश्नपत्र शीर्षक– चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) – भारतीय वास्तुशास्त्र	
Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि– • भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • भारतीय प्राचीन धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी। • वास्तु शास्त्र के महत्त्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे। • वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।		
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय, महत्त्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता	10
II	वास्तु सौख्यम् (टोडरमल विरचित) वास्तु सौख्यम्– प्रथम भाग वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13) वास्तु सौख्यम्– द्वितीय भाग भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवास हेतु स्थाननिर्वाचन (श्लोक 14 से 22) वास्तु सौख्यम्– तृतीय भाग गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्यशोधन (श्लोक 31–49, 74–82)	13

III	वास्तु सौख्यम्– चतुर्थ भाग षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83–102, 107–112) वास्तु सौख्यम्– षष्ठ भाग पंचविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171–194, 195–196) वास्तु सौख्यम्– सप्तम् भाग द्वारप्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पंच चतुःशाला गृह–सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203–217)	**13**
IV	वास्तु सौख्यम्– अष्टम् भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्रम् , मर्मस्थान (श्लोक 287–302, 305–307) वास्तु सौख्यम्– नवम् भाग वासदिशानिरूपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322–335, 359–369)	**12**
V	मुहुर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण, श्लोक 01 से 14	**11**
VI	मुहुर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण, श्लोक 15 से 29	**11**
VII	मुहुर्तचिन्तामणि, गृहप्रवेश प्रकरण	**10**
VIII	भारतीय वास्तुशास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा	**10**

संस्तुत ग्रन्थ–

- वास्तु सौख्यम् , टोडरमल, (संपा0) कमलाकान्त शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान वाराणसी, 1996
- मुहुर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका सहित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- मुहुर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय सस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) पिण्डशोधन, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 10 अंक अथवा अधिन्यास (असाइन्मेंट)/पत्रप्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष– तृतीय	Semester: **VI** सेमेस्टर– षष्ठ
विषय– संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020605T	प्रश्नपत्र शीर्षक–पंचम् प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) – ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- भारतीय प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।
- भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष के विभिन्न सिद्धान्तों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
- पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	ज्योतिष शास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास, त्रिस्कंध ज्योतिष–सिद्धान्त, संहिता, होरा	10
II	ज्योतिष चंद्रिका– संज्ञा प्रकरण(श्लोक 1 से 40)	12
III	ज्योतिष चंद्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 41 से 80)	12
IV	ज्योतिष चंद्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 81 से 115)	12
V	शीघ्रबोध– प्रथम प्रकरण	11
VI	शीघ्रबोध– द्वितीय प्रकरण	11

VII	शीघ्रबोध– तृतीय प्रकरण	11
VIII	शीघ्रबोध– चतुर्थ प्रकरण	11

संस्तुत ग्रन्थ–

- ज्योतिष चंद्रिका, रेवती रमण शर्मा,(संपा0) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कारपोरेशन, दिल्ली
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, संपा0 खूबचन्द्र शर्मा गौड़, नवलकिशोर बुकडिपो, लखनऊ
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, संपा0 प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत् संहिता, अच्युतानन्द झा, (अनु0) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु.) मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु0) हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश
- ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली
- भुवनकोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी — 10 अंक

अथवा

पंचांगावलोकन परीक्षा

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) — 10 अंक

(ग) आचरण एवं उपस्थिति — 05 अंक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
....

Suggested equivalent online courses:
....

Further Suggestions:
....

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग– स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष– तृतीय	Semester: **VI** सेमेस्टर– षष्ठ

विषय– संस्कृत	
प्रश्नपत्र कोड- A020606T	प्रश्नपत्र शीर्षक– षष्ठ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) – नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान

Courses outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	नित्य विधि (प्रातरुत्थान, स्नान, तर्पण तथा पंचयज्ञ)	12
II	स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी–गणेश पूजन तथा वरुणकलश स्थापन	12
III	षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका विधि, मंडप–कुंड–निर्माण तथा होम विधि	12
IV	रूद्राभिषेक, महामृत्युंजय जप तथा नवचंडी विधान	11

V	नवग्रह शांति, मूलगण्डान्त शांति, दुःस्वप्न शांति तथा वैधव्योपशांति	11
VI	प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म	11
VII	यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार	11
VIII	गृहारम्भ तथा गृहप्रवेश	10

संस्तुत ग्रन्थ–

• पारस्कर गृह्यसूत्र, संपा0 सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
• कर्म कौमुदी, डॉ. बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
• कर्मठगुरु, मुकुन्द बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
• आपस्तम्बीयकर्ममीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
• हिन्दू संस्कार, राजबली पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1995
• धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
• संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
• पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
• नित्यकर्मपूजा प्रकाश, गीता प्रेस, गोरखपुर
• धर्मशास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ 1973

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चार परीक्षा)	10 अंक
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय)	10 अंक
(ग) आचरण एवं उपस्थिति	05 अंक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
....

Suggested equivalent online courses:
....

Further Suggestions:
....

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर

संस्कृत स्नातक स्तरीय न्यूनतम/माइनर पाठ्क्रम

अधिसूचनाः—

1. पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 11 जुलाई 2023 द्वारा संशोधित यह पाठ्क्रम शैक्षणिक सत्र 2023—24 से प्रभावी रहेगा।
2. यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम के न्यूनतम वैकल्पिक कोर्स के रूप में एक भाग होगा।
3. बी.ए., बी0एस0सी0, बी0कॉम या अन्य पाठ्यक्रम के किसी कक्षा का कोई भी छात्र इस पाठ्यक्रम को न्यूनतम कोर्स के रूप में ले सकता है।
4. यदि कोई छात्र इस प्रश्न पत्र का वैकल्पिक चयन करता है तो उसे अपने प्रथम वर्ष या द्वितीय वर्ष के किसी भी सेमेस्टर में इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।
5. इस प्रश्नपत्र के 04 क्रेडिट अंक होंगे। प्रश्न पत्र 04 इकाई में विभाजित होगा।
6. इस प्रश्नपत्र हेतु न्यूनतम 60 लेक्चर्स एक सेमेस्टर में अपेक्षित होगा।
7. प्रत्येक इकाई हेतु 15 व्याख्यान निर्धारित है।

मूल्यांकन प्रक्रियाः—

1. यह प्रश्नपत्र अधिकतम 100 अंकों का होगा तथा समय अधिकतम 3:00 घण्टे निर्धारित है।
2. इस प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण होने हेतु 33 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा।
3. यदि कोई छात्र किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में अनुत्तीर्ण होता है तो अगले सेमेस्टर में पुनः सम्मिलित होने हेतु कुछ सामान्य शर्तों के साथ अनुमति दी जा सकती है।

बी0ए0 संस्कृत प्रथम वर्ष (माइनर)

Credits: 4		**Minor**
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:
प्रश्नपत्र कोड– **A020102(M)**		प्रश्नपत्र का शीर्षक– वैदिक साहित्य, व्याकरण एवं सुभाषित
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0		
Unit/ इकाई	Topics/ पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	(क) वैदिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय– वेद, वेदांग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक एवं उपनिषद् (ख) सम्भाषण– सामान्य परिचय	**10**
II	(क) माहेश्वर सूत्र, वर्णों का उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न (ख) संज्ञा परिचय (इत् , लोप, ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत, अनुनासिक, संयोग एवं पद)	**20**
III	(क) अजन्त एवं हलन्त शब्द का तीनों लिङ्गों में परिचय (ख) समास परिचय (विग्रह एवं उदाहरण) और समास भेद (ग) महत्त्वपूर्ण प्रत्ययों (तव्यत् , अनीयर् , क्त्वा, तुमुन् एवं ल्यप्) का उदाहरण सहित सामान्य ज्ञान	**20**
IV	(क) संस्कृत सुभाषित परिचय (सुभाषितसंग्रह)– पं0 वासुदेव द्विवेदी (ख) जीवनोपयोगी मंत्र तथा स्तोत्रों का ज्ञान– (जलशुद्धि मंत्र, शरीरशुद्धि मंत्र, आसनशुद्धि मंत्र, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, शिवपंचाक्षरस्तोत्र एवं गणेश मंत्र) (ग) संस्कृत में 1 से 100 तक संख्या ज्ञान	**10**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी 10 अंक (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक (ग) आचरण एवं उपस्थिति 05 अंक		

बी0ए0 संस्कृत द्वितीय वर्ष (माइनर)

<table>
<tr><td colspan="2">Credits: 4</td><td>Minor</td></tr>
<tr><td colspan="2">Max. Marks: 25+75</td><td>Min. Passing Marks:</td></tr>
<tr><td colspan="2">प्रश्नपत्र कोड– A020302(M)</td><td>प्रश्नपत्र का शीर्षक– संस्कृत साहित्य, दर्शन, सन्धि एवं अलंकार</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 4-0-0</td></tr>
<tr><td>Unit/ इकाई</td><td>Topics/ पाठ्य विषय</td><td>No. of Lectures
व्याख्यान संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td>(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास– रामायण, महाभारत, पंचतंत्र, हितोपदेश, रघुवंश, कुमारसंभवम्, कादम्बरी, अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सामान्य परिचय)
(ख) हिन्दी से संस्कृत में सरल अनुवाद परिचय</td><td>10</td></tr>
<tr><td>II</td><td>(क) श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय–2, आत्मास्वरूप वर्णन– श्लोक सं0 20 से 30 तक)
(ख) बौद्ध दर्शन के सिद्धान्त (चार आर्यसत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद)
(ग) न्यायदर्शन में प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द) – सामान्य परिचय</td><td>20</td></tr>
<tr><td>III</td><td>(क) अलंकार (लक्षण एवं उदाहरण) – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा एवं उत्प्रेक्षा
(ख) 100 से 1000 तक संख्याओं का संस्कृत में परिचय</td><td>10</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>(क) कारक एवं विभक्ति का उदाहरण सहित सामान्य परिचय
(ख) संधि प्रकरण (दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण तथा अयादि संधियों का उदाहरण सहित सामान्य ज्ञान</td><td>20</td></tr>
<tr><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td colspan="2">प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–
(क) अधिन्यास (असाइन्मेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय)
(ग) आचरण एवं उपस्थिति</td><td>
10 अंक

10 अंक
05 अंक</td></tr>
</table>